नवभारत
महानगर प्लस

नागपुर, गुरुवार, 8 अप्रैल, 2010

मिहान में आईं कई नई कम्पनियां

सिन्हा ने कहा, साल के अंत तक बदलेगा नक्शा

व्यापार प्रतिनिधि

नागपुर. मिहान को मंदी ने निश्चित रूप से प्रभावित किया है और कई परियोजनाएं आने में विलंब हुआ है, लेकिन इस परियोजना का न तो महत्व कम हुआ है और न भविष्य में कोई कम कर सकता है. मंदी के 'मंद' होने के साथ ही मिहान के प्रति नई-नई कम्पनियां रुचि लेने लगी हैं और पुरानी कंपनियों की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं. इस साल के अंत तक तो अनेक कार्य देखने को मिल जाएंगे. बोइंग का कार्य भी मई अंत तक शुरू होने जाने की पूरी-पूरी संभावनाएं हैं. उक्त विचार एमएडीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर.सी. सिन्हा ने व्यक्त किए.

आईटी कम्पनियां देख रही चाल

सिन्हा ने कहा कि आईटी कम्पनियां बाजार की चाल देख रही हैं. उन्हें जैसे-जैसे सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं, उनकी रुचि मिहान के प्रति बढ़ रही है. टीसीएस के साथ समझौता होने की कगार पर है. एक मुद्दे पर एग्रीमेंट रुका हुआ है, उम्मीद है कि जल्द समाधान निकाल लिया जाएगा और कंपनी निर्माण कार्य शुरू कर देगी. कंपनी मिहान में 40 एकड़ जमीन ले रखी है. टीसीएस चाहती है कि 99 साल की लीज अवधि में वृद्धि हो, लेकिन यह संभव नहीं है. बड़ी-बड़ी परियोजनाएं 60, 75, 90, 99 साल की लीज पर काम कर रही हैं. उन्होंने कहा कि शापुरजी सहित अन्य कंपनियां निर्माण कार्य तेज करेंगी.

हाल ही में सेंट्रल फैसेलिटी बिल्डिंग में एक आईटी कंपनी ने 8000 वर्ग फुट जमीन ली है. एग्रीमेंट हो चुका है. इसी प्रकार सोयाबीन प्रोसेसिंग करने वाली एक कम्पनी ने भी जमीन ली है. फार्मा क्षेत्र की एक बड़ी कम्पनी से बात हो चुकी है. कम्पनी के प्रतिनिधि जमीन की पहचान भी कर चुके हैं. 20 एकड़ जमीन उन्होंने लेने की इच्छा जताई है. 15 दिनों के अंदर वे अंतिम मुहर लगा देंगे. सिन्हा ने कहा कि इसके अलावा भी कई लिमिटेड

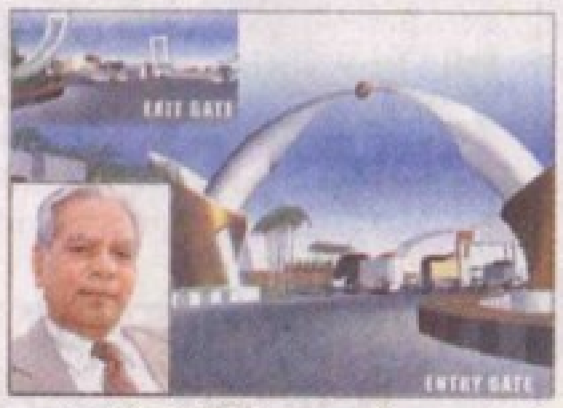

कम्पनियों के प्रतिनिधि मिहान का दौरा कर चुके हैं. इसलिए यह कहना कि मिहान से लोग ऊब चुके हैं, गलत है. लिमिटेड कंपनियां होने के कारण, वे अंतिम मुहर लगने तक नाम सामने नहीं आने देना चाहती. एमएडीसी भी गोपनीयता बनाये हुए है. टेक्सटाइल क्षेत्र की कंपनियां भी मिहान में रुचि दिखा रही है. वक्त आने पर नामों की घोषणा की जाएगी.

पार्किंग सुविधा का विस्तार

विमानतल पर पार्किंग सुविधा का विस्तार किया जा रहा है. इसके लिए 26000 वर्ग मीटर में काम शुरू हो चुका है, जिसके मई अंत या जून मध्य तक पूरा हो जाने की संभावना है. विस्तार होने के बाद नागपुर में 13 हवाई जहाज एक साथ पार्क हो सकेंगे. वर्तमान में 5 जहाज को एक साथ पार्क करने की सुविधा है. उन्होंने कहा कि रात्रिकालीन पार्किंग के लिए इंडिगो से बातचीत चल रही है. कम्पनी को कहा गया है कि रात्रिकालीन विमान यहां लायें और पार्क करें. कम्पनी इस पर विचार कर रही है. समझौता होने की प्रबल संभावना है. इस बीच इंडिगो ने नागपुर-दिल्ली-लखनऊ विमान सेवा शुरू करने की भी घोषणा कर दी है. कम्पनी नागपुर से एक्टिविटी बढ़ाएगी. इसी प्रकार डेक्कन को 48 एकड़ जमीन 2 दिन पूर्व भी देने का समझौता हो गया है. गोपीनाथ ने उम्मीद जताई है कि 1 माह के अंदर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा.

290 हेक्टेयर जमीन की जरूरत

उन्होंने बताया कि एमएडीसी को अब तक 3305 हेक्टेयर जमीन मिल चुकी है. और 300 हेक्टेयर जमीन की जरूरत है. प्रशासन जिस तरीके से कार्य कर रहा है, उससे लगता है कि एमएडीसी को जल्द जमीन मिल जाएगी. हालांकि बायोपार्क के लिए अभी तक जमीन नहीं मिली है.

एनएमटीसी को धन नहीं

ऑरेंज सिटी में मोनो रेल चले या फिर मेट्रो. इसके लिए टेक्नोलॉजी का चयन करने के लिए सलाहकार की नियुक्ति करनी है, लेकिन नागपुर मास ट्रांसपोर्ट कम्पनी (एनएमटीसी) के पास धन ही नहीं है. इस बजट में उम्मीद थी कि सरकार 8 करोड़ का प्रावधान कर देगी. लेकिन बजट में संभवतः निराश ही हाथ लगी है. एनएमटीसी के प्रबंध निदेशक आर.सी. सिन्हा ने कहा कि बजट में अर्बन डेवलपमेंट के नाम पर धन का प्रावधान किया गया है. अब इस राशि से नागपुर की परियोजना को कितना धन मिलता है, यह देखना होगा. उन्होंने कहा कि धन मिलने के बाद ही सलाह और डिजाइन के लिए कंपनी की नियुक्ति की जा सकेगी. इसके लिए नियमित रूप से पत्र-व्यवहार किया जा रहा है.

टेंडर फाइनल करने में लगा है बोइंग : केसकर

बोइंग के भारतीय अध्यक्ष दिनेश केसकर ने कहा कि बोइंग का भूमिपूजन 2010 में कभी भी हो सकता है. इससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता. इस वक्त एयरइंडिया के साथ मिलकर टेंडर फाइनल करने का काम शुरू है. इसके पूर्ण होते ही टेंडर जारी कर दिया जाएगा. इसमें कुछ महीने लग सकते हैं. उन्होंने कहा कि बोइंग ने अपनी परियोजना में कोई फेरबदल नहीं किया है. जो शुरू में बताया गया था, उसी अनुरूप आएगा. केसकर ने कहा कि जिस दिन भूमिपूजन होगा, धूमधाम से होगा. उन्होंने कहा कि कार्य शुरू होने में कोई संदेह की बात ही नहीं है और 2010 से विलंब भी नहीं होगा.